



न्यायालय राजस्व मंडल मध्यप्रदेश केंद्र ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक /2010 निगरानी - 1074-I/10

1. कन्हैयालाल पिता गुवान
2. श्रीमती मोहनबाई पति कन्हैयालाल निवासीगण ग्राम खात्याखेडी तह. मल्हारगड जिला मंदसौर.....आवेदकगण

विरुद्ध

भेरूलाल पिता धुला जी निवासी ग्राम खात्याखेडी तह.
मल्हारगड जिला मंदसौरअनावेदकगण

पुनर्निरीक्षण आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 50 भू राजस्व संहिता

माननीय महोदय,

आवेदकगण अधिनस्थ योग्य न्यायालय अपर आयुक्त उज्जैन के आदेश दिनांक 10/6/10 प्रकरण क्रमांक 63/06-07 निगरानी से असंतुष्ट एवं दुखित होकर निम्नलिखित कारणों के आधार पर पुनरिरीक्षण आवेदन अंदर अवधि प्रस्तुत करता है।

1. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय का आदेश जेर निगरानी विधि एवं विधान के विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है।
2. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय का आदेश विधान के विपरीत होने से निरस्त किये जाने योग्य है।
3. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय ने बिना किसी उचित एवं वेध कारण के कलेक्टर के आदेश को यथावत कायम रखने का आदेश देने में महान वैधानिक त्रुटी की है।
4. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय ने भूमि सर्वे क्रमांक 249 एवं 348/1 को सही रूप से देखे व शासकीय अभिलेख को देखे बगैर आदेश पारित कर दिया इस कारण भी अधिनस्थ न्यायालय का आदेश विधान के विपरीत होने से निरस्त योग्य है।
5. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय ने रिकार्ड का अवलोकन किए बगैर तथा अधिनस्थ न्यायालय के निर्णय एवं आदेश को देखे बगैर जो आदेश पारित किया है वह निरस्त किए जाने योग्य है।
6. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय का आदेश विधी एवं विधान के विपरीत होने से निरस्त किए जाने योग्य है।
7. यह कि अधिनस्थ योग्य न्यायालय ने भूमि सर्वे क्रमांक 249 एवं 348/1 को शासकीय भूमि एवं गांधी सागर जलाशय के सूब क्षेत्र में है मानने में गंभीरतम त्रुटी की है।

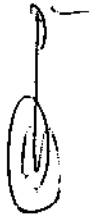
Contd.....2

R 1074-II10 रिजर्व बैंक

17-2-16

कॉम्प्लेंट्स ऑफ़ श्री विवेक

आस द्वारा प्रकाश की जाने
जली चयना-याहते हैं इस
सूचना में कॉम्प्लेंट प्रमुख
क्रियाकार। कॉम्प्लेंट कति हार
उद्योग में प्रिण्टिंग कॉम्प्लेंट
को स्वीकार किया गया है।
कॉम्प्लेंट कति के निवेदन पर
प्रकाश में प्रिण्टिंग में समाप्त
किया गया है। प्रकाश में है।



(Signature)

(Signature)